Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-CT-401

पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali
Examination May-June-2024
एम. ए. व्याकरण, चतुर्थसत्रम्
संस्कृतव्याकरणम् (क), पञ्चम्पत्रम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "अजादेर्द्वितीयस्य' अस्य योगस्य भाष्यं प्रतिपादनीयमम्।
2. "पुंवत्कर्मधारयजातीयदेशीयेषु, अस्य न्यासस्य भाष्यं स्पष्टीक्रियताम्।
3. "आर्धधातुके, अस्य सूत्रस्य भाष्यानुसारेण व्याख्या कार्या।
4. हल्ङ्याब्भ्यो दीर्घात्सुतिस्यपृक्तं हल्, अस्य भाष्यं सुलेखनीयम्।
5. एकः पूर्वपरयोः भाष्यमनुसृत्य व्याख्येयम्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. वा. गोहिग्रहणं विषयार्थम्।
7. "वाह ऊठ्" इत्यत्र ऊठ्ग्रहणेन किं ज्ञाप्यते?
8. द्विपदः पश्य, इत्यत्र सवदिशो न भवति, किं कारणम्?
9. लिट्यभ्यासस्योभयेषाम् अस्तिन्न्यासे आचार्यः किं ज्ञापयति?
10. अनिदितां हल उपधायाः क्ङिति, अस्य भाष्यं विवृणु।
11. अन्तवत्वे कानि प्रयोजनानि?
12. जक्षित्यादयः षट्, अस्यव्याख्यानं कार्यम्।

-------------x-------------

Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-CT-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, चतुर्थसत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् (14)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड ‘क’ में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. इकोऽचि विभक्तौ इत्यत्राज्ग्रहणं किमर्थम्?
2. कयोर्युवोरनाकौ भवतः? यथाभाष्यमुल्लेखनीयम्।
3. णौ चङ्युपधाया ह्रस्वः इत्यस्य सूत्रस्य भाष्यमनुसृत्य स्वशब्दैः व्याख्या कार्या।
4. ठादेशे वर्ण ग्रहणमाहोस्वित्संघातग्रहणम् व्याख्यया निर्णयो लेखनीयः।
5. आर्द्धधातुकस्येड्वलादेः इत्यत्रार्द्धधातुकग्रहणं किमर्थम्? भाष्यरीत्या व्याख्या विधेया।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड ‘ख’ में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. झादेशे धात्वन्तप्रतिषेधो वक्तव्यो वा न वक्तव्यः।
7. ‘दीर्घोऽकितः’ इत्यत्राकिद् ग्रहणं किमर्थम्।
8. औदच्च घेः इत्यत्र योगविभागः कर्तव्य उताहो न?
9. आतोयुक् चिण्कृतोः इत्यत्रकृद्ग्रहणस्य प्रयोजनं भाष्यानुसारं लेखनीयम्?
10. अतो येयः इत्यत्र सार्वधातुकग्रहणमनुवर्तत उताहो न?
11. ‘वस्वेकाजाद्घसाम्’ इत्यत्र घसि ग्रहणं किमर्थम् न एकाजित्येव सिद्धम्?
12. ऋतो भारद्वजस्य इत्यस्य सूत्रस्य यथाभाष्यम् व्याख्या करणीया।

---------------x---------------

Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-CT-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, चतुर्थसत्रम्

संस्कृतव्याकरणम्-15

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड ‘क’ में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. ‘उपधायां च’ इत्यत्र किमर्थं न ‘हली’ त्येव सिद्धम्? व्याख्या करणीया, वार्तिकानि च व्याख्येयानि।
2. पूर्वत्राऽसिद्धम् इति सूत्रं महाभाष्यरीत्या विवेचनीयम्।
3. तयोर्य्वावचि संहितायाम् इति सूत्रस्य भाष्य-स्वारस्यं प्रतिपादनीयम्।
4. ‘विसर्जनीयस्य सः’ इति सूत्रं महाभाष्यानुसारं व्याख्येयम्।
5. ‘आदेशप्रत्यययोः’ इति सूत्रस्य यथाभाष्यं व्याख्या करणीयाः।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड ‘ख’ में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. ‘सुब्विधिरिति सर्वविभक्त्यन्तः समासः’ इत्यादीनि ‘न लोप सुप्स्वर. ....’ इति सूत्रस्य वार्तिकानि प्रतिपादनीयानि।
7. ‘न मु टादेशे’ इति वार्तिकम् महाभाष्यानुसारं विवेचनीयम्।
8. अदसोऽनोस्रे इति वार्तिकम् व्याख्येयम्।
9. मतुवसोरादेशे वन उपसंख्यानम् इति वार्तिकस्य व्याख्या विधेया।
10. ‘आनि लोट्’ इत्यत्र लोडिति किमर्थम्? महाभाष्यानुसारं व्याख्येयम्।
11. आदेशार्थं सर्वणार्थमकारो विवृतः स्मृतः आकारस्य तथा ह्रस्वस्तदर्थं पाणिनेर अ।। – इत्यस्य व्याख्या करणीया।
12. अनन्त्ययोरपि निष्ठामतुपोरादेशः इति वार्तिकम् प्रतिपादनीयम्।

--------------x--------------

Roll No……………………….
Signature of Invigilator ………

Paper Code

MSV-CT-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, चतुर्थसत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् (16)

होरात्रयम् पूर्णाङ्काः 70

निर्देश : अस्य प्रश्नपत्रस्य सप्तत्यङ्काः निर्धारिताः सन्ति, अङ्कनिर्देशः प्रतिखण्डं द्रष्टव्यः, सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

(1) पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां धातूनां कर्तरि लिटि, लोटि, लुड़ि च रूपाणि लेखनीयानि। (2 x5 =10)

(1) विद ज्ञाने (2) डुभृञ् धारणपोषणयोः (3) मन ज्ञाने

(4) शक्लृ शक्तौ (5) मुच्लृ मोचने (6) गण संख्याने

(7) तनु विस्तारे।

(2) पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां धातूनां कर्मकर्तरि, सनि कर्तरि च लटि, लुटि, लुङि च प्रथम पुरुषैकवचने रूपणि लेखनीयानि। (2 x5 =10)

(1) या, प्रापणे (2) ञिभी भये

(3) भिदिर् विदारणे (4) चिञ् चयने,

(5) ग्रह उपादाने (6) णह बन्धने

(7) दुह प्रपूरणे।

(3) पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां धातूनां यड़्, यङ्लुकि च कर्तरि लटि, लोटि, लुङि च मध्यमपुरुषैकवचने रूपाणि लेखनीयानि। (2 x5 =10)

(1) रु शब्दे (2) ओहाक् त्यागे

(3) व्यध ताडने (4) तृह हिंसायाम्

(5) षणु दाने (6) लूञ् छेदने

(7) पॄ, प्रीतौ।

(4) पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां धातूनां णिचि कर्तरि, कर्मणि च लटि, लुटि, लुङि च प्रथमपुरुषैकवचने रूपाणि लेखनीयानि। (2 x5 =10)

(1) जागृ निद्राक्षये (2) कुट कौटिल्ये

(3) कथ वाक्यप्रबन्धे (4) री गतिरेषणयोः

(5) वृजी वर्जने (6) डुदाञ् दाने

(7) ऋधु वृद्धौ

(5) पृष्टेषु सप्तसु पञ्च प्रयोगाः सुसाध्याः। (4 x5 =20)

(1) आघ्नाते (2) ममङ्क्थ

(3) अर्यात् (4) हिन्धि

(5) सायते (6) आष्टि

(7) दभ्नुयात्।

(6) पृष्टेषु अष्टसु पञ्चानां शब्दानां द्वयोः वाक्ययोः प्रयोगः करणीयः। (2 x5 =10)

(1) बुध्यते (2) जाहाति

(3) आदुः (4) गिलति

(5) चीयात् (6) अतत्

(7) क्रेष्यति।

-------------x-------------

Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MSV-GE-405

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, चतुर्थसत्रम्

संस्कृतसाहित्यम्-2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. छान्दोग्योपनिषदि षष्ठप्रपाठकस्य सारो लेखनीयः तथा च 'तत्त्वमसि' इत्युपदेशस्य विषये लिखन्तु।
2. संस्कारविधीत्येतस्मिन् पुस्तके मनुस्मृत्यनुसारं संन्यासविषयं वर्णयन्तु।
3. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकेत्यस्मिन् पुस्तके धर्मविषये तैत्तिरीयशाखायाः प्रमाणानि लिखन्तु।
4. वैराग्यमार्तण्डपुस्तके देहस्वरूपं वर्णयन्तु।
5. वेदेषु संन्यासीनां कर्त्तव्याकर्तव्यविषयं प्रतिपादयन्तु।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. "अन्नमयं हि सोम्य मन आपोमयः प्राणस्तेजोमयीवागिति। भूय एव मा भगवान्विज्ञापयत्विति तथा सोम्येति होवाचेति" उत्तरं वर्णयन्तु।
7. संस्कारविधिमाश्रित्य संन्यासस्य कति प्रकाराः सन्ति। विस्तरेण वर्णयन्तु।
8. "भद्रमिच्छन्त ऋषयः स्वर्विदस्तपो दीक्षामुपनिषेदुरग्रे। ततोराष्ट्रं बलमोजश्च जातं तदस्मैदेवा उपसंनमन्तु" इति मन्त्रस्य प्रसंगपूर्विकां व्याख्यां कुर्वन्तु।
9. स्वकीये जीवने वैराग्यमार्तण्डपुस्तकस्य वैराग्यविषये प्रभावं लिखन्तु।
10. "समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सह चित्तमेषाम्।
    समानं मन्त्रमभि मन्त्रये वः समानेन वो हविषा जुहोमि।।" - मन्त्रस्यास्य व्याख्यां कुर्वन्तु।
11. वेदोक्तधर्मविषयं संक्षेपेण लिखन्तु।
12. निम्नलिखितयोः श्लोकयोः प्रसंगपूर्विकां व्याख्यां कुर्वन्तु -

(क) ज्ञानशौचं परित्यज्य बाह्ये यो रमते नरः।
स मूढः काञ्चनं त्यक्त्वा लोष्टं गृह्णाति सुव्रत।।

(ख) मोह एव महामृत्युर्मुमुक्षोर्वपुरादिषु।
मोहो विनिर्जितो येन स मुक्तिपदमर्हति।।

---------------x---------------